What will I write 6

1st June 2020.
I completed 50 years!
Still now my mother makes sweet rice for me on this day;
She sits arranging all the sweets for me,
Till the evening, every year
Till I return home.
Even in this lockdown ,
Mother's love never rests :
I'm thinking of writing many things -
Mother's love, protectiveness ,
So many stories, memories of school life -

Or shall I write
About some more mothers, fathers and sons-
My daughter is a school teacher .
She gives online classes to fifth standards
Via google meet;
The little Surabhita and five more are taking class.
“Shuravit, how are you? How are your studies going?
“Ma’am I’m good, I’m doing really fine.”
“How are your parents Surabhita?”
“Ma’am, my father lost his job, he stays at home,
So he is sad.”
“Why is he sad?”
“Ma’am my father has no money,
My mother weeps in her room, they quarrel
That’s why my father is sad.”
What will I write?

“Have you had lunch Surabhita?”
“Yes ma’am I had”
“What did you eat?”
“Ma’am, rice and lentils”
“And with what?”
“Nothing else ma’am, don’t worry ma’am

I ate good, I am fine”
Shuravit reads in class five
I was listening to this standing by the side of the door with awe.
What will I write?

“Ma’am I am Manirul, shall I speak?”
“Yes tell me Manirul”
“Ma’am my father also used to work as a security guard in Kolkata
The trains are closed, so he can’t go to work.”
He was saying without a pause,
“I also ate soaked rice,
My mother gave me with dried chillies, salt,
And raw onions.
I ate so good, it was very tasty .
Grandparents, my parents and I ate together
It was a great pleasure Ma’am-
You know ma’am, my mother also just cries.
She is very foolish:
I am also doing fine ma’am.”
What will I write?

Here, one mother is 70 years old,
She walks limping.
In the early morning she made all the deserts
Specially for her son:
Shall I write about my mother’s sacrifice?
Or about the tears of some other mother?
Shall I write about her struggle
Of providing her son some rice and lentils?
What will I write?
I think about it every day..

কি লিখব আমি? (6)

1st June 2020

আমার বাহাত্তর বছর পূর্ণ হলো।

এখনও আমার মা এই দিনে নিজের হাতে পায়েস বানায়,
মিষ্টি সাজিয়ে বসে থাকে
বিকেল অবধি প্রতি বছর।
আমি ততক্ষণ না বাড়ি ফিরি।
এই লকডাউনের মধ্যেও
মায়ের ভালোবাসার কোনো বিরাম নেই।
লিখব ভাবি অনেক কিছু
মায়ের ভালোবাসা, আদরে রাখা
কত সম্পদ কত স্মৃতি পূর্ণ জীবনের ......
বাকি লিখব —

আরো কয়েকদিন মায়ের কথা
বাবার কথা
ছেলের কথা।

(২৫)

আমার মেয়ে স্কুলে যায়।

ক্লাস সেভেন-এর অনলাইন ক্লাস নিচ্ছে
স্কুল থেকে।

মেয়ে সুরভিতে ও আরও পাঁচ-ছ জন ক্লাস করছে।

"সুরভিতে কেমন আছো? পড়াশোনা করছ?"

"আমি ভালো আছি, খুব ভালো আছি।"

"তোমার মা বাবা কেমন আছেন সুরভিতে?"

"আমার বাবার তো কাজ নেই, বাড়িতেই থাকে, তাই বাবার মনটা খারাপ।"

"মন খারাপ কেন?"

"আমার বাবার কাছে কোনো টাকা নেই, মা ঘরে বসে কাঁদে, ঝগড়া হয়। তাই মনটা খারাপ বাবার।"

কি লিখবে তুমি?

"খেয়েছো এবং খাচ্ছিলে?"

"হ্যাঁ আমি খেয়েছি।"

"কি খেলে?"

"আমি ভাত আর ডাল।"

"আর কি নিয়ে?"

"আমি আর কিছু না, চিন্তা কোরো না আমি।

আমি ভালো খেয়েছি, ভালো আছি।"

ক্লাস সবাই-তে চড়ে বসছিলে।

আমি হতভম্ব হয়ে দরজার পাশে দাঁড়িয়ে শুনছিলাম।

কি লিখবে তুমি?

সাথে সাথে আর একটা গল্প হেসে বললো।

"আমি আমি জানতাম, তুমি বলবে?"

(২৮)

"হ্যাঁ বলো অনিরুদ্ধ।"

"আন্টি আমার বাবাকে সেলফোনেও মিসডরিংটিং
আজ শুনে, ট্রেন বন্ধ তাই কাজে যেতে পারেনি।"

এক নিঃশ্বাসে বলে যাচ্ছে অনিরুদ্ধ।

"আমিও পান্তা ভাত খেয়েছি,
মা মেখে দিয়েছে শুকনো লঙ্কা নুন
আর কাঁচা পেঁয়াজ দিয়ে।
খুব ভালো খেয়েছি, বেশ টেস্ট হয়েছে।
দাদু, ঠাকুমা, মা, বাবা একসাথে বসে খেয়েছি।
খুব মজা হয়েছে আন্টি।
জানো আন্টি আমার মা ও খুব কাঁদে।
বড্ড রোগা আমার মা-টা।
আমিও ভালো আছি আন্টি।"

কি লিখব আমি?

এদিকে একজন। মায়ের বয়স বাড়ছে,

খুঁড়িয়ে খুঁড়িয়ে হাঁটে,

সকাল সকাল মিষ্টি দই বাজার নামিয়ে রেখেছে

ছেলের জন্য খেয়াল রেখে।

আমার মায়ের [illegible] নিয়ে লিখব?

নাকি আমার মায়ের চোখের জল।

আর অন্য বন্ধুদের মায়ের মুখে

একটু খানি হাসি ফুটে দেখার

আশার নিয়ে লিখব?

কি লিখব আমি ভেবেই কাটিয়ে দিন।

क्या लिखूँ मैं (6)

१ जून २०२०,

मेरा पचासवाँ साल पूरा हुआ,

इस दिन को अभी भी मेरी माँ अपने हाथों से खीर बनाती हैं।

शाम को जब तक मैं घर न लौटूँ,मिठाइयां सजाए हुए बैठी रहती है।

इस लॉकडाउन में भी,

माँ के प्यार में कोई कमी नहीं।

सोच रहा हूँ बहुत कुछ लिखूं,

माँ का प्यार,जकड़े हुए न जाने कितनी यादें,

स्कूल जीवन की कितनी कहानियाँ।

या लिखूं,

और कुछ माओं की कथा,

बाप की कथा

बेटों की कथा।

मेरी बेटी स्कूलटीचर है,

गूगल मीट पे क्लास फाइव का ऑनलाइन क्लास ले रही है।

छोटे सुरभित के साथ और पाँच छः जन क्लास कर रहे हैं।

कैसे हो सुरभित ?पढ़ाई कर रहे हो?

मैडम अच्छा हूँ,बहुत अच्छा हूँ।

तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं सुरभित ?

मैडम,पिताजी के पास अभी काम नहीं हैं, घर में ही रहते हैं।

इसलिए उदास रहते हैं।

क्यों उदास रहते हैं?

मैडम,पिताजी के पास कुछ भी पैसे नहीं हैं,

माँ घर में सो सोकर रोती है,झगड़े होते हैं।

इसलिए पिताजी उदास रहते हैं।

क्या लिखूँ मैं ?

दोपहर का खाना खाए हो, सुरभित ?

हाँ,मैडम खाया हूँ।

क्या खाए हो ?

मैडम,डाल और चावल।

और क्या था

और कुछ भी नहीं था मैडम,आप चिंता मत कीजिए।

मैंने बहुत अच्छा खाया,मैं अच्छा हूँ।

क्लास फाइव में पढ़ता है सुरभित।

मैं दरवाजे के पास आश्चर्यचकित खड़ा हूँ

क्या लिखूं मैं ?

साथ ही और एक आवाज़ सुनाई पड़ी,

मैडम,मैं मनिरुल हूँ,मैं कहूँ।

हाँ मनिरुल,बोलो,

मैडम,मेरे पापा भी कोलकाता में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे,

अभी ट्रेन बंद है,इसलिए काम पे नहीं जा सकते,

मनिरुल लगातार बोलता जा रहा था।

मैं भी बासी भात खाया हूँ।

सुखी मिर्च,नमक और पियाज से

बहुत अच्छा खाना था,क्या टेस्ट था

दादा-दादी,माँ-पिताजी सब एकसाथ बैठकर खाए हैं।

बहुत मजा आया मैडम।

मैडम,आपको पता है,मेरी माँ भी सिर्फ रोती रहती हैं।

बड़ी बुद्धू है मेरी माँ।

मैडम,मैं भी बढ़िया हूँ।

क्या लिखूं मैं

एक तरफ एक माँ की उम्र सत्तर साल की है,

लंगड़ाकर चलती है,

सुबह सुबह मीठी दही और खीर सजाकर रखी है,अपने बेटे के लिए स्पेशल डिश।

अपनी माँ के सैक्रिफाइस को लेकर लिखूं

या दूसरी माओं के आसुओं,

अपने आठ साल के बच्चे के थोड़ा सा दाल चावल खिलने की लड़ाई को लेकर लिखूं,

क्या लिखूं मैं सोचता हूँ हर दिन।